ISSN: 2249-894X IMPACT FACTOR : 5.2331(UIF) VOLUME - 6 | ISSUE - 12 | SEPTEMBER - 2017

REVIEW OF RESEARCH

अध्यापक पात्रता परीक्षा (TET) के प्रति सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं के प्रत्यक्षीकरण का विषय वर्ग के सन्दर्भ में अध्ययन

दीक्षा गुप्ता[1] , डॉ. मुरलीधर मिश्रा[2]

[1] एम.एड. छात्रा, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, टोंक, राजस्थान.

[2] एसोशिएट प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, टोंक, राजस्थान .

सारांश

विषय वर्ग के सन्दर्भ में अध्यापक पात्रता परीक्षा (TET) के प्रति सेवा पूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं के प्रत्यक्षीकरण करने के लिए यह वर्णनात्मक सर्वेक्षण किया गया। इस अध्ययन के न्यादर्श में अध्यापक पात्रता परीक्षा देने का अनुभव रखने वाले सेवापूर्व प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं कुल 180 सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं (कला 91, विज्ञान 55 एवं वाणिज्य वर्ग के 14) का चयन किया गया। प्रदत्त संकलित करने हेतु 'अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति प्रत्यक्षीकरण सूची' का विकास एवं प्रशासन किया गया। प्रदत्तों का विश्लेषण करने के लिए काई वर्ग परीक्षण, प्रतिशत एवं रेखाचित्रीय प्रस्तुतीकरण का उपयोग किया गया। इस अध्ययन में निष्कर्ष रूप में यह पाया कि अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं का प्रत्यक्षीकरण उनके विषय वर्ग (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) से स्वतंत्र है। विषय वर्ग के सन्दर्भ में अधिकतर अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्त अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण रखते हैं।

प्रयुक्त शब्दावली: शिक्षा का अधिकार अधिनियम, अध्यापक पात्रता परीक्षा, सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण, विषय वर्ग, वर्णनात्मक सर्वेक्षण, प्रत्यक्षीकरण.

प्रस्तावना :

भारत के संविधान के अनुच्छेद 45 में सरकार ने 6-14 वर्ष तक आयु के सभी बच्चों की मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान किया गया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रभावी ढंग से अध्यापन कार्य कर सकने वाले ऐसे अध्यापकों की आवश्यकता है जो कौशलगत दक्षता, कार्याधारित प्रतिबद्धता एवं व्यवहारगत निष्पादन से युक्त हो कर बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान कर सकें। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद ने अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता विकसित करने के लिए दक्ष एवं प्रतिबद्ध अध्यापक शिक्षा को आवश्यक माना है तथा अध्यापकों की योग्यता निर्धारण के संकेंद्रित प्रयास किये गए हैं।

नाइ एवं अन्य (2004) के अनुसार शिक्षा प्रणाली की सफलता अध्यापक की अपने व्यवसाय के प्रति निष्ठा पर निर्भर करती है, एवं विद्यालय में चाहे कितनी भी सामग्री हो, अध्यापकों की गुणवत्ता के बिना विद्यालय का शैक्षिक स्तर

ऊपर नहीं उठ सकता। जियोरा (2012) ने बताया कि विद्यार्थियों की उपलब्धि को प्रभावित करने वाला विद्यालयीन चर शिक्षक गुणवत्ता है। इन परिणामों के क्रियान्वयन के लिए, शिक्षकों के व्यापक शैक्षिक सुधार के लिए लाइसेन्स को एक हिस्सा बनाया गया। डेसिमोने (2009) एवं डेनिएलसन (2007) के अध्ययनों का केन्द्रण अध्यापक के वृतिक विकास के विविध पहलुओं को जानने पर रहा। इनके अनुसार अध्यापकों के विद्यालयीन अभ्यास में सुधार करने के लिए वृतिक विकास प्रणाली में सुधार की जरुरत है। लिट्ल (2009) एवं डेली एवं किम (2010) ने अध्यापक मूल्याङ्कन प्रणाली को अध्यापक के वृतिक विकास का एक अवसर एवं सुधार का जरिया बताया।

मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम की अनुपालना में एन.सी.टी.ई. ने प्रारम्भिक शिक्षा स्तर पर अध्यापकों की नियुक्ति से पूर्व पात्रता परीक्षण को अनिवार्य किया है। वर्तमान में अध्यापक शिक्षा प्राप्त कर करने के अतिरिक्त अध्यापक के रूप में नियुक्त होने के लिए अध्यापक पात्रता परीक्षा देना भी अनिवार्य है। इससे यह स्पष्ट होता है कि व्यक्ति द्वारा प्राप्त अध्यापक शिक्षा का महत्व पार्श्व में है। अध्यापक पात्रता परीक्षा की आवश्यकता को अध्यापक शिक्षा से तैयार अध्यापकों की गुणवत्ता पर प्रश्न चिह्न माना जा रहा है। यानि व्यक्ति ने जो अध्यापक शिक्षा प्राप्त की है उसमें गुणवत्ता नहीं है इसलिए उनकी योग्यता की दुबारा जाँच अध्यापक पात्रता परीक्षा के माध्यम से की जा रही है।

उपर्युक्त विवेचन के सन्दर्भ में शोधकर्ताओं के मन में अध्यापक पात्रता परीक्षा से सम्बन्धित कतिपय प्रश्न उपस्थित हुए, यथा- विभिन्न विषय वर्ग वाले अध्यापक इस परीक्षा के प्रति कैसा प्रत्यक्षीकरण रखते हैं? क्या अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं का प्रत्यक्षीकरण का उनके विषय वर्ग से साहचर्य है? इन प्रश्नों के उत्तर जानने की जिज्ञासा के कारण अध्यापक पात्रता परीक्षा (**TET**) के प्रति सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं के प्रत्यक्षीकरण का विषय वर्ग के सन्दर्भ में अध्ययन किया गया।

अध्ययन उद्देश्य

प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु निम्न उद्देश्यों का निर्धारण किया गया:-

(1) अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सेवा पूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं के प्रत्यक्षीकरण का विषय वर्ग के सन्दर्भ में अध्ययन करना।

(2) अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं के प्रत्यक्षीकरण एवं उनके विषय वर्ग के मध्य साहचर्य का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ

शोध उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अग्रांकित परिकल्पनाएँ निर्मित की गयी हैं-

(1) विषय वर्ग के सन्दर्भ में अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सेवा पूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं के प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है।

(2) अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं का प्रत्यक्षीकरण उनके विषय वर्ग से स्वतंत्र है।

अध्ययन चर

इस शोध अध्ययन में विषय वर्ग स्वतन्त्र चर तथा अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं का प्रत्यक्षीकरण आश्रित चर है।

अनुसन्धान विधि

प्रस्तुत शोध कार्य का उद्देश्य अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति विषय वर्ग के सन्दर्भ में सेवा पूर्व प्रशिक्षण प्रासकर्ताओं के प्रत्यक्षीकरण को जानना है। शोधकर्ताओं ने समस्या की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए सर्वेक्षण अध्ययन की वर्णनात्मक विधि 'वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि' का उपयोग किया है।

प्रदत्त स्रोत एवं प्रकृति

प्रस्तुत अध्ययन में अध्यापक पात्रता परीक्षा दे चुके सेवा पूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्रासकर्ता प्रदत्तों के स्रोत रहे हैं। सेवापूर्व अध्यापक पात्रता परीक्षा प्रत्यक्षीकरण मापनी से प्राप्त प्रदत्तों की प्रकृति मात्रात्मक प्रकार की थी।

न्यादर्श एवं न्यादर्शन

प्रस्तुत शोध अध्ययन में उत्तरप्रदेश राज्य के आगरा तथा फिरोजाबाद जिले में निवास करने के साथ अध्यापक पात्रता परीक्षा दिये जाने का अनुभव वाले सेवापूर्व प्रशिक्षण प्रासकर्ताओं में से कुल 180 सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्रासकर्ताओं (कला 91, विज्ञान 55 एवं वाणिज्य वर्ग के 14) का चयन न्यादर्श चयन की सोद्देश्यपूर्ण विधि से किया गया।

प्रदत्त संकलन हेतु उपकरण

अध्ययन के उद्देश्य के लिए वांछित प्रदत्त संकलित करने हेतु 'अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति प्रत्यक्षीकरण सूची' का विकास एवं प्रशासन किया गया।

प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियाँ

प्रस्तुत शोध अध्ययन में सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्रासकर्ताओं के प्रत्यक्षीकरण का विषय वर्ग के सन्दर्भ में अध्ययन करने के लिए अनुमानात्मक सांख्यिकी के अंतर्गत काई वर्ग परीक्षण का उपयोग किया गया। निष्कर्ष की व्याख्या हेतु वणर्नात्मक सांख्यकीय प्रविधियों के अंतर्गत प्रतिशत एवं रेखाचित्रीय प्रस्तुतीकरण का उपयोग किया गया।

प्रदत्त विश्लेषण एवं निष्कर्ष

अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति विषय वर्ग के सन्दर्भ में सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्रासकर्ताओं के प्रत्यक्षीकरण से सम्बन्धित प्रदत्तों का प्रस्तुतीकरण अग्रांकित दंडचित्र की सहायता से किया गया है-

रेखाचित्र : विषय के सन्दर्भ में सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्रासकर्ताओं का प्रत्यक्षीकरण

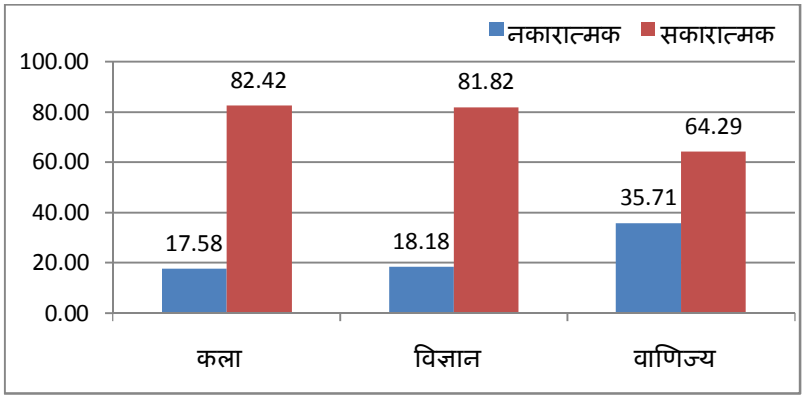

उपर्युक्त दंडचित्र सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं का अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति विषय वर्ग के सन्दर्भ में प्रत्यक्षीकरण से सम्बन्धित है। इस दंडचित्र से स्पष्ट है कि विषय वर्ग के सन्दर्भ में 17.58 प्रतिशत कला वर्ग के, विज्ञान वर्ग के 18.18 वाणिज्य वर्ग के 35.71 प्रतिशत सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं का अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति नकारात्मक प्रत्यक्षीकरण है। दूसरी ओर कला वर्ग के 82.42 प्रतिशत, विज्ञान वर्ग के 81.82 तथा वाणिज्य वर्ग के 35.71 प्रतिशत सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं का अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है। तुलनात्मक रूप से देखने पर विषय वर्ग के सन्दर्भ में सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण रखने वाले सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं का प्रतिशत अधिक है।

'अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सेवा पूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं का प्रत्यक्षीकरण उनके विषय वर्ग से स्वतंत्र है' इस परिकल्पना के परीक्षण हेतु विषय वर्ग के सन्दर्भ में सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा प्राप्तकर्ताओं के अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति प्रत्यक्षीकरण से सम्बन्धित प्रदत्तों के आधार पर परिकलित काईवर्ग मान का प्रस्तुतीकरण अग्रांकित तालिका में किया गया है-

तालिका : विषय वर्ग के सन्दर्भ में सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं का प्रत्यक्षीकरण

क्र. सं.	विषय वर्ग	प्रत्यक्षीकरण		योग	परिकलित काई वर्ग मान
		नकारात्मक	सकारात्मक		
1.	कला	16	75	**91**	2.2674*
2.	विज्ञान	10	45	**55**	
3.	वाणिज्य	5	9	**14**	
योग		**31**	**129**	**160**	

.05 के विश्वास स्तर एवं मुक्तांश 2 के तालिका मान= 5.991

*सार्थक नहीं

उपर्युक्त तालिका में विषय वर्ग के सन्दर्भ में अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं द्वारा व्यक्त नकारात्मक और सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण का परिकलित काई वर्गमान प्रस्तुत किया गया है। इस तालिका के अध्ययन से ज्ञात होता है कि कला, विज्ञान एवं वाणिज्य विषय वर्ग से सम्बद्ध सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं द्वारा अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सकारात्मक और नकारात्मक प्रत्यक्षीकरण पर दी गयी वरीयताओं का परिकलित काई वर्ग मान .05 के विश्वास स्तर एवं मुक्तांश 2 के तालिका मान से कम है। अतः शून्य परिकल्पना "अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं का प्रत्यक्षीकरण उनके विषय वर्ग से स्वतंत्र है" स्वीकृत होती है। अर्थात् अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं का प्रत्यक्षीकरण उनके विषय वर्ग (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) से स्वतंत्र होता है।

निष्कर्ष-विवेचना

इस अध्ययन में निष्कर्ष रूप में यह पाया गया है कि अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं का प्रत्यक्षीकरण उनके विषय वर्ग (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) से स्वतंत्र है। विषय वर्ग के सन्दर्भ में अधिकतर अध्यापक, अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण रखते हैं। तुलनात्मक रूप दृष्टि से विषय वर्ग के सन्दर्भ में विज्ञान वर्ग एवं कला वर्ग के अध्यापकों का प्रत्यक्षीकरण लगभग एक समान है। जबकि एक तिहाई वाणिज्य वर्ग के अध्यापकों का अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति नकारात्मक प्रत्यक्षीकरण है जो कि अन्य कला

तथा विज्ञान वर्ग के अध्यापकों की तुलना में अधिक है। अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं का प्रत्यक्षीकरण उनके विषय वर्ग (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) से स्वतंत्र होता है।

अध्यापक पात्रता परीक्षा से सम्बन्धित अध्ययनों में राठी एवं जाठोल (2013) के अनुसार अधिकांश भावी अध्यापक, अध्यापक पात्रता परीक्षा को गुणात्मक अध्यापकों के विनिश्चयन का महत्त्वपूर्ण कारक मानते हैं। पर्याप्त संख्या में भावी अध्यापकों ने सेवारत अध्यापकों के सावधिक परीक्षण करने के पक्ष में अपना मत व्यक्त किया। मुप्पूदथी, जी. (2014) ने पाया कि स्नातक तथा स्नातकोत्तर अध्यापकों की अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति अभिवृति में सार्थक अंतर नहीं है। मिश्रा एवं गुप्ता (2016) ने पाया कि अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सेवापूर्व अध्यापन प्रशिक्षण प्राप्त अधिकांश अध्यापकों का प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है। इससे स्पष्ट होता है कि ये अध्ययन अध्यापक शिक्षा प्राप्त कर चुके/कर रहे अधिकांश अध्यापक अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण सम्बन्धित प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्ष की पुष्ट कर रहे हैं। जबकि इसके विपरीत निलेश (2013) ने विज्ञान वर्ग एवं स्नातकोत्तर प्रशिक्षणार्थियों के प्रत्यक्षीकरण का मध्यमान स्नातक तथा गैर-विज्ञान वर्ग के सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षणार्थियों से सार्थक रूप से भिन्न पाया है। इससे विषय वर्ग के सम्बन्ध में समान जनसंख्या के बड़े न्यादर्श पर अध्ययन करने की आवश्यकता प्रतीत हो रही है ताकि सैद्धान्तिक रूप से स्पष्टता आ सके।

शैक्षिक निहितार्थ

अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ता विषय वर्ग के सन्दर्भ में अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण रखते हैं। यह अच्छा संकेत माना जा सकता है। अध्यापक पात्रता परीक्षा के सफल संचालन के लिए प्रश्नपत्र निर्माण करते समय ज्ञानात्मक, अवबोध तथा क्रियात्मक पक्ष के उद्देश्यों को ध्यान में रखना चाहिए। प्रश्नपत्र में निर्धारित की गयी सम्पूर्ण विषयवस्तु को समाहित किया जाना चाहिए। अध्यापक पात्रता परीक्षा के पाठ्यक्रम को और अधिक व्यावहारिक बनाया जाना चाहिए तथा उसमें अध्यापक शिक्षा के पाठ्यक्रम का भारांकन भी बढ़ाया जाना चाहिए। केवल अध्यापक पात्रता परीक्षा के अंकों के आधार पर अध्यापक के रूप में नियुक्ति नहीं की जानी चाहिए। अध्यापकों की नियुक्ति अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम में उसके प्राप्तांक तथा अध्यापक पात्रता परीक्षा में प्राप्तांक के सम्मिलित योग को आधार बना कर होनी चाहिए। केवल अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्राप्तांक को आधार बनाने से व्यक्ति की व्यावसायिक योग्यता का कोई महत्व नहीं रहेगा।

अध्यापक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण प्रमाण पत्र की वैधता का विस्तार किया जाना चाहिए क्योंकि किसी भी अभ्यर्थी को उसकी योग्यता की जाँच करने के बाद ही अध्यापक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने के प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। यदि प्रमाण पत्र की वैधता किसी निश्चित समय तक होगी तो निश्चित समय पश्चात नियुक्ति न होने की दशा में दुबारा परीक्षा देनी होगी तथा वह उस विद्यार्थी के समान अंक प्राप्त नहीं कर पायेगा जिसने अभी अध्यापक शिक्षा प्राप्त की है क्योंकि समय के साथ पाठ्यक्रम में भी परिवर्तन आ सकता है। विषय वर्ग के सन्दर्भ में अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्तकर्ताओं का सकारात्मक प्रत्यक्षीकरण रखना तात्कालिक अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों से निकलने वाले उत्पादों की गुणवत्ता पर उपज रहे संदेह की अप्रत्यक्ष रूप से पुष्टि करता है। अतः अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार के लिए विविध स्तरों पर निवेश एवं प्रक्रियागत परिवर्तन की आवश्यकता है।

संदर्भग्रंथ सूची

1. गज्जर, निलेश बी.(2013). अ स्टडी ऑफ़ इफेक्टिवनेस ऑफ़ परसेप्शन ऑफ़ टीचर-ट्रेनीस टुवर्ड्स टेट एग्जामिनेशन, इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च इन एजुकेशन,13-18. Retrieved from http://raijmr.com/wp-content/uploads/2014/02/4_13-18-Dr.-Nilesh-B.-Gajjar.pdf

2. मुप्पूदथी, जी. (2014). एट्टीट्युड ऑफ़ प्राइवेट स्कूल टीचर्स टुवर्ड्स टीचर एलीगिबिलिटी टेस्ट (टी.ई.टी.), जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल एंड वोकेशनल रिसर्च, मार्च, 5(1), 13-16.
3. राठी, नीरू एंड जाठोल, प्रगट सिंह (2013). एट्टीट्युड ऑफ़ प्रोस्पेक्टिव टीचर्स टुवर्ड्स टीचर्स एलीगिबिलिटी टेस्ट, ई-रिफ्लेक्शन: अन इंटरनेशनल मल्टी डिसिप्लिनरी पीयर रिव्युड ई-जर्नल, नवम्बर-दिसम्बर, 2(6), 1-7. Retrieved from http://edupublication.com/e-reflection/papers/nov-dec2013/2.pdf
4. गुप्ता, दीक्षा एवं मिश्रा, मुरलीधर (2016). अध्यापक पात्रता परीक्षा के प्रति सेवापूर्व अध्यापन प्रशिक्षण प्रासकर्ताओं के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन, इन्फ़्युजिटिव टीचर, जून, 3(1), 1-9.
5. डेली, जी., एंड किम, एल. (2010). अ टीचर एवॅल्यूयेशन सिस्टम दैट वर्क्स (वर्किंग पेपर). सांता मॉनिका, सीए: नॅशनल इन्स्टिट्यूट फॉर एक्सलेन्स इन टीचिंग. रिट्रीव्ड जनुअरी 29, 2011, फ्रॉम http://www.tapsystem.org/publications/wp_eval.pdf
6. डेनिएलसन, सी. (2007). एनहॅन्सिंग प्रोफेशनल प्रॅक्टीस :अ फ्रेम्वर्क फॉर टीचिंग (2न्ड एडी.).अलेग्ज़ँड्रिया, वीए : रअसोसियेशन फॉसुपरविजन एंड करिक्युलम डेवेलपमेंट.
7. डेसिमोने, एल. एम. (2009). इंप्रूविंग इंपॅक्ट स्टडीस ऑफ टीचर्स' प्रोफेशनल डेवेलपमेंट: टुवर्ड बेटर कॉन्सेप्च्वलिज़ेशन्स एंड मिजर्स. एजुकेशनल रिसर्चर, 38(3),181-199.
8. लिट्ल, ओ. (2009). टीचर एवॅल्यूयेशन सिस्टम्स: दा विंडो फॉर ऑपर्चुनिटी एंड रिफॉर्म. वॉशिंग्टन, डीसी:नॅशनल एजुकेशन असोसियेशन.
9. नाइ, बी., कोन्स्टंटोपौलोस, एस. एंड हेड्जस, एल. वी. (2004). हाउ लार्ज आर टीचर एफेक्ट्स? एजुकेशनल एवॅल्यूयेशन एंड पॉलिसी अनॅलिसिस, 26(3), 237-257.

दीक्षा गुप्ता
एम.एड. छात्रा, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, टोंक, राजस्थान.

डॉ. मुरलीधर मिश्रा
एसोशिएट प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, टोंक, राजस्थान .